

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म०प्र०)

सं.क्र./अकादमिक/अ०म०/२०२१/१०८६

रीवा, दिनांक १५/०८-२१

अधिसूचना

आदेशानुसार, मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम १९७३ की धारा २८ के अन्तर्गत कला संकाय अन्तर्गत संस्कृत के अध्ययन मण्डल का गठन निम्नलिखित रूप से किया जाता है। अधिनियम की धारा २८(४) के अन्तर्गत अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल की कार्यवाही इस अधिसूचना प्रसारण दिनांक से तीन वर्ष की होगी -

संस्कृत अध्ययन मण्डल

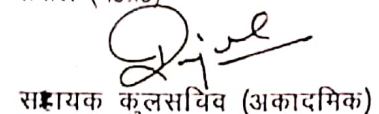
अधिनियम	२८(२) एक	१	रिक्त
	२८(२) दो	१	डॉ० सुरेश प्रताप सिंह, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत शास० महाविद्यालय, अमरपाटन, जिला-सतना (म०प्र०)
		२	डॉ० प्रदीप कुमार त्रिपाठी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत, शास० महाविद्यालय, मऊगंज, जिला-रीवा (म०प्र०)
	२८(२) तीन	१.	रिक्त
	२८(२) चार	१.	डॉ० उपेन्द्र पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर महाविद्यालय जवा, जिला-रीवा (म०प्र०)
		२.	डॉ० भोला सिंह कुशराम, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत, शास० सजय गांधी स्मृति महाविद्यालय, जिला-सीधी (म०प्र०)
	२८(२) पाँच	१.	प्रो० राममनोज द्विवेदी, प्राध्यापक, संस्कृत, जनता महाविद्यालय, जिला-रीवा (म०प्र०)
		२.	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, प्राध्यापक, संस्कृत, शास० टी०आर०एस० महाविद्यालय, रीवा (म०प्र०)

अधिनियम २८(३) के अन्तर्गत डॉ० सुरेश प्रताप सिंह को संस्कृत अध्ययन मण्डल का अध्यक्ष नाम निर्देशित किया जाता है।


कुलसचिव १५/८/२१

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु -

१. कुलाधिपति के प्रमुख सचिव, राजभवन भोपाल (म०प्र०)
२. आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन, सतपुड़ा भवन, भोपाल (म०प्र०)
३. अध्ययन मण्डल के समस्त सदस्यगण।
४. संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य।
५. संकायाध्यक्ष, कला संकाय।
६. कुलसचिव, मध्यप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय।
७. निर्देशक, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमिक रविन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल (म०प्र०)
८. कुलपति जी के सचिव/कुलसचिव के निज सहायक


सहायक कुलसचिव (अकादमिक)